

[Time: 2 hours]

[ Marks:60]

Please check whether you have got the right question paper.

- N.B:
1. Answer any five questions from question No 1 to Question No. 8 & Question No. 9 is compulsory.
  2. Marks are indicated against each question.
  3. Students answering in regional language should refer to the main test paper in English.

- Q. 1** Explain the meaning and nature of Commerce Education. (10)
- Q. 2** “Principles of teaching helps the teacher to make teaching of commerce interesting and effective” Elaborate with reference to any three principles of teaching Commerce. (10)
- Q. 3** State the meaning of Problems Solving Method. Take up any commercial problem & explain how a commerce teacher would use the method. (10)
- Q. 4** “A Commerce teacher faces a lot of challenges in meeting the changing requirements of teaching Commerce”. Justify. (10)
- Q. 5** Illustrate the 7E’s of constructivism Method in teaching of commerce. (10)
- Q. 6** “Teaching of commerce has a special significance in the present curriculum”. Explain with reference to the place of Commerce in the present Higher Secondary Curriculum. (10)
- Q. 7** How do visits to places of commercial importance provide direct learning experiences to the students? (10)
- Q. 8** Define commerce education. Discuss the objectives of teaching commerce at Higher Secondary Level. (10)
- Q. 9** Attempt briefly **any two** of the following : (10)
- a) Relationship between academic disciplines and Commerce.
  - b) Importance of correlation in commerce education.
  - c) External characteristics of text book.
  - d) Need of professional growth for a teacher of Commerce.

\*\*\*\*\*

## मराठी रुपांतर

[वेळ: २ तास]

[गुण: ६०]

- प्र. १ वाणिज्य शिक्षणाचा अर्थ आणि स्वरूप स्पष्ट करा. (१०)
- प्र. २ “अध्यापनाची तत्वे शिक्षकाला वाणिज्य शास्त्राचे अध्यापन रुचिपूर्ण व प्रभावी करण्यास मदत करतात”. कोणत्याही तीन वाणिज्य शास्त्राच्या तत्वांच्या संदर्भात सविस्तर लिहा. (१०)
- प्र. ३ समस्या निराकरण पद्धतीचे अर्थ सांगा. कोणतीही व्यवसायिक समस्या घ्या आणि एक वाणिज्य शिक्षक कशी ही पद्धत वापरणार हे स्पष्ट करा. (१०)
- प्र. ४ “वाणिज्यशास्त्र शिकवण्याच्या बदलत्या गरजा पूर्ण करण्यासाठी वाणिज्यशास्त्र शिक्षकांना अनेक आव्हानांना तोंड द्यावे लागते”. समर्थन करा. (१०)
- प्र. ५ रचनावादाची ७ई वाणिज्यशास्त्र अध्यापन पद्धती सोदाहरण लिहा. (१०)
- प्र. ६ “सध्याच्या अभ्यासक्रमात वाणिज्य शास्त्र अध्यापनाचे विशेष महत्त्व आहे”. सध्याच्या उच्च माध्यमिक अभ्यासक्रमातील वाणिज्य स्थानाच्या संदर्भात स्पष्टीकरण द्या. (१०)
- प्र. ७ व्यावसायिक महत्त्व असलेल्या ठिकाणी भेटी विद्यार्थ्यांना थेट शिकण्याचे अनुभव कसे प्रदान करतात? (१०)
- प्र. ८ वाणिज्य शिक्षण परिभाषित करा. उच्च माध्यमिक स्तरावर वाणिज्य शिकवण्याच्या उद्देशाने चर्चा करा. (१०)
- प्र. ९ खालीलपैकी कोणत्याही दोनांवर थोडक्यात लिहा. (१०)
- अ) शैक्षणिक विद्याशाखा आणि वाणिज्य दरम्यान संबंध.
- ब) वाणिज्य शिक्षणामध्ये परस्पर संबंधाचे महत्त्व.
- क) पाठ्य पुस्तकाची बाह्य वैशिष्ट्ये.
- ड) वाणिज्य शिक्षकासाठी व्यवसायिक वाढीची गरज.

\*\*\*\*\*

हिंदी अनुवाद

[समय: 2 घंटे]

[कुलांक: ६०]

- प्र. १ वाणिज्य शिक्षा का अर्थ और स्वरूप स्पष्ट कीजिए। (१०)
- प्र. २ “वाणिज्य शास्त्र अध्यापन के सिद्धांत शिक्षक को वाणिज्यशास्त्र अध्यापन रुचिपूर्ण और प्रभावी बनाने में सहायता करते हैं।” किन्हीं तीन वाणिज्यशास्त्र के सिद्धांतों के संदर्भ में विस्तार कीजिए। (१०)
- प्र. ३ समस्या सुलझाने के विधि का अर्थ लिखिए। किसी भी व्यावसायिक समस्या को समझे और समझाए की एक वाणिज्य शिक्षक विधि का उपयोग कैसे करेगा? (१०)
- प्र. ४ “एक वाणिज्य शास्त्र शिक्षक वाणिज्यशास्त्र की बदलती जरूरतों को पूरा करने में बहुत अधिक चुनौतियों का सामना करते हैं।” समर्थन कीजिए। (१०)
- प्र. ५ रचनावाद की ७ई वाणिज्य शास्त्र अध्यापन पद्धति सोदाहरण लिखिए। (१०)
- प्र. ६ “वर्तमान पाठ्यक्रम में वाणिज्यशास्त्र अध्यापन का विशेष महत्त्व है।” वर्तमान उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम में वाणिज्य के स्थान के संदर्भ में बताएं। (१०)
- प्र. ७ व्यावसायिक महत्त्व के स्थानों पर जाने से छात्रों को प्रत्यक्ष सीखने के अनुभव कैसे मिलते हैं? (१०)
- प्र. ८ वाणिज्य शिक्षा को परिभाषित करें। उच्चतर माध्यमिक स्तर पर वाणिज्य शिक्षण के उद्देश्यों पर चर्चा करें। (१०)
- प्र. ९ निम्नलिखित में से किन्हीं दो को संक्षेप में लिखिए : (१०)
- अ) शैक्षणिक विद्याशाखा और वाणिज्य के बीच संबंध।
- ब) वाणिज्य शिक्षा में सहसंबंध का महत्त्व।
- क) पाठ्य पुस्तक की बाहरी विशेषताएं।
- ड) वाणिज्य के शिक्षक के लिए व्यावसायिक विकास की आवश्यकता।

\*\*\*\*\*